Dainik Bhaskar (Indore), 8th November 2022, Page – 05

IIT में 3 अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस दिसंबर में, 2 वर्कशॉप में होगी विज्ञान संबंधी मुद्दों पर चर्चा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में दिसंबर में 3 अंतरराष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस और 2 वर्कशॉप आयोजित होंगी। इसमें 750-1000 लोगों के शामिल होने की संभावना है। देश-विदेश से वक्ताओं को आमंत्रित किया है।

पहली कॉन्फ्रेंस 9 से 11 दिसंबर के बीच

– पहली कॉन्फ्रेंस कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स और सिमुलेशन पर आयोजित होगी। यह देशभर में आयोजित कॉन्फ्रेंस का 8वां संस्करण है। यह कॉन्फ्रेंस इंडियन एसोसिएशन फॉर कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। इसमें गणित और फिजिक्स के सिद्धांतों के आधार पर वर्तमान समस्याओं को सुलझाने पर बात की जाएगी।

▪ दूसरी कॉन्फ्रेंस 14 से 16 दिसंबर के बीच

– दूसरी कॉन्फ्रेंस 14 से 16 दिसंबर के बीच मटेरियल इंजीनियरिंग विषय पर होगी। इसमें अलग-अलग प्रकार की धातुओं और तकनीक की सहायता से इनकी इंजीनियरिंग पर बात की जाएगी। इसमें प्रदर्शनी भी लगेगी। इसमें इस विषय से संबंधित शोध प्रस्तुत किए जा सकेंगे। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति को पुरस्कृत किया जाएगा। यह कॉन्फ्रेंस छात्रों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और उद्योगपतियों के लिए है।

तीसरी कॉन्फ्रेंस 21 से 23 दिसंबर के बीच

तीसरी कॉन्फ्रेंस 21 से 23 दिसंबर तक भारत के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में, इंडियालिक्स इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के नाम से होगी। इसमें मध्यप्रदेश के विकास और विज्ञान तकनीक और नवाचार पर क्षेत्रवार सुझावों और समाधान की पेशकश की जाएगी। इस कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश में हो रहे नवाचारों, उनके वित्तीय प्रभाव और फायदों और राष्ट्रीय स्टार पर इसकी उपयोगिता पर बात करना है। यह कॉन्फ्रेंस ऑनलाइन मोड में होगी। इसके लिए शोधपत्र देने की आखिरी तारीख 30 नवंबर है। इसका आयोजन स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज और सोशल साइंस द्वारा किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं को भी आमंत्रित कर रहे

संस्थान में ऑफलाइन होने वाले कार्यक्रमों के लिए कई अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं को भी आमंत्रित किया जा रहा है। इसके लिए विदेश मंत्रालय को अनुमति के लिए पत्र लिखा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में आने वाले प्रतिभागियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।

12-17 दिसंबर के बीच 5 दिवसीय कार्यशाला

12 से 17 दिसंबर के बीच 5 दिवसीय कार्यशाला भी होगी। इसका उद्देश्य है पर्यावरण में आ रहे बदलावों के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाओं का स्टेटिस्टिकल एनालिसिस के माध्यम से पूर्वानुमान लगाना। यह कार्यशाला केंद्र सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के बैनर तले आयोजित की जा रही है। 17 दिसंबर को कैंसर के इलाज के लिए दवाओं की खोज पर भी एक दिवसीय कार्यशाला ऑनलाइन होगी।